बृहस्पतिवार
19 सितम्बर 2024

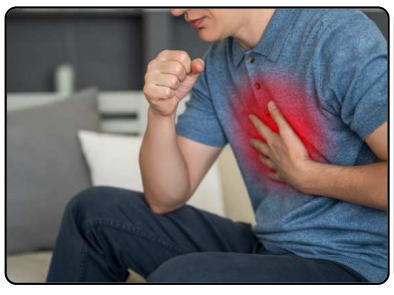

पृष्ठ 4

क्या जोर जोर से खांसकर हार्ट अटैक..

पृष्ठ 5

एकता कपूर ने बदल दी अनीता हसनंदानी

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 222
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

आप जो कुछ भी कल्पना कर सकते हैं वह सब वास्तविक है।

– पाब्लो पिकासो

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार/देहरादून। नकली नोट छापने वाले गिरोह का भण्डाफोड़ करते हुए पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से 2 लाख 25 हजार 500 रूपये के नकली नोट सहित अन्य सामान भी बरामद किये गये है। आरोपी राजधानी देहरादून में किराये के मकान में रहकर जाली नोट का कारोबार कर रहे थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि बीते रोज कोतवाली रानीपुर पुलिस द्वारा एक सूचना के बाद चैकिंग के दौरान सुमन नगर पुलिया पर दो बाइक सवार चार संदिग्धों को रोक कर उनके पास से 500 रूपये के 44 नोट कुल 22 हजार रूपये के नकली नोट बरामद किये गये थे। जिन्होने पूछताछ में बताया कि उनके द्वारा अपने अन्य साथी मोहित और विशाल के साथ सुद्धोवाला प्रेमनगर देहरादून में किराए के कमरे पर लैपटॉप व प्रिन्टर की मदद से नकली नोट बनाने का काम किया जाता है। जिस पर कोतवाली रानीपुर पुलिस की एक टीम द्वारा सुद्धोवाला प्रेमनगर से आरोपी मोहित पुत्र राजेन्द्र को दबोच कर उसके कब्जे से 500 रुपये के 200 नकली नोट कुल 1 लाख रूपये व उसके किराए के कमरे से एक लैपटॉप, प्रिंटर, 2 ब्लेड़ कटर, 2 चमकीली ग्रीन टेप, व नोट छापने के सामान के साथ तथा दूसरी पुलिस टीम द्वारा दून एनक्लेव पटेल नगर देहरादून से आरोपी विशाल पुत्र राजेश को 500 के 207 नकली नोट कुल 1 लाख 3 हजार 500 रूपये, एक लैपटॉप, एक प्रिन्टर व नकली नोट बनाने का सामान बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार आरोपी सुनियोजित तरीके से लेपटॉप में स्केन कर रखे हुए 500 रुपये के असली नोट से जाली नोट तैयार करते थे तथा इन नकली नोटो को अपने साथियो कें माध्यम से देहरादून व हरिद्वार के बाजारों में

❑2 लाख 25 हजार 500 रुपए के नकली नोट बरामद, दून में किराये के मकान में रह कर चला रहे थे जाली नोट का कारोबार

▶▶ शेष पृष्ठ 2 पर

श्री बालाजी ज्वैलर्स डकैती प्रकरण: चौथे बदमाश ने दी अहम जानकारियां

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। श्री बालाजी ज्वैलर्स डकैती प्रकरण में गिरफ्तार किये गये चौथे बदमाश ने पुलिस को डकैती से जुड़ी अहम जानकारियां दी है। पुलिस ने उसके पास से हजारों की नगदी व अन्य सामान भी बरामद किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि श्री बालाजी ज्वैलर्स डकैती प्रकरण में गिरफ्तार बदमाश अमन ने पूछताछ में बताया कि अमन कांबोज, लक्की व सुभाष पिछले लगभग चार महीनो से हरिद्वार में अलग-अलग ज्वेलर्स की दुकानों में रैकी कर डकैती की घटना करने की योजना बना रहे थे और श्री बालाजी ज्वैलर्स डकैती की घटना से लगभग चार दिन पहले हरिद्वार आकर बाइक व स्कूटी में घूमकर इस दुकान की बेहद बारीकी से लगातार रैकी कर रहे थे। उन्होने बताया

कि आरोपी ऐसी दुकानों को टारगेट करते थे जिनमे गार्ड न हो या गार्ड बुजुर्ग हो या गार्ड के पास किसी भी प्रकार का कोई हथियार न हो जिससे इनको घटना करने में आसानी हो। साथ ही ऐसे समय पर घटना को अंजाम देते थे जब आवाजाही कम हो। इसलिए श्री बालाजी ज्वेलर्स में घटना करने के लिए रविवार का दिन चुना गया था। बताया कि सबसे पहले दुकान का चयन होता था। आने एवं जाने के सभी रास्तों को बारीकी से देखा जाता था। आरोपी घटना से पूर्व होटल/धर्मशाला

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दलित परिवारों की चीखें भी बिहार सरकार को गहरी नींद से नहीं जगा सकीं: राहुल गांधी

नई दिल्ली । बिहार के नवादा में दलित बस्ती को जलाने की घटना को लेकर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीतीश सरकार पर करारा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा, दलितों की चीखें भी बिहार सरकार को गहरी नींद से नहीं जगा सकीं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हमला करते हुए लिखा, नवादा में महादलितों की पूरी बस्ती को आग के हवाले कर देना और 80 से अधिक परिवारों के घरों को नष्ट कर देना बिहार में बहुजनों के खिलाफ अन्याय की भयावह तस्वीर को उजागर करता है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि ऐसे अराजकतावादी तत्व भाजपा और उसके एनडीए सहयोगियों के नेतृत्व में शरण पाते हैं, वे दलितों को डराते-धमकाते हैं और दबाते हैं, ताकि वे अपने सामाजिक और संवैधानिक अधिकारों की मांग भी न कर सकें और प्रधानमंत्री की चुप्पी इस बड़ी साजिश पर मुहर है। उन्होंने इस शर्मनाक अपराध के लिए सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और पीड़ित परिवारों को पुनर्वासित कर न्याय दिलाने की मांग की।

अब जम्मू-कश्मीर इन तीन खानदानों के शिकंजे में रहने वाला नहीं है : पीएम मोदी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की 24 विधानसभा सीटों पर हुए मतदान के एक दिन बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीनगर में एक रैली को संबोधित करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राज्य के विकास, सुरक्षा और जम्हूरियत (लोकतंत्र) के महत्व पर जोर दिया।

पीएम ने कांग्रेस, एनसी और पीडीपी पर हमला करते हुए कहा कि कुछ दिन पहले मैंने कहा था कि जम्मू-कश्मीर की बर्बादी के लिए तीन खानदान जिम्मेदार हैं। तब से दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक ये लोग बौखलाए हुए हैं। इन तीन खानदानों को लगता है इनपर कोई कैसे सवाल उठा सकता है। इन्होंने

जम्मू-कश्मीर को सिर्फ डर और अराजकता ही दी है। लेकिन अब जम्मू-कश्मीर इन तीन खानदानों के शिकंजे में रहने वाला नहीं है। पीएम मोदी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए तीन चरणों में मतदान हो रहा है। पहला चरण 18 सितंबर को संपन्न हुआ, जबकि अन्य दो चरण 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को होंगे। प्रधानमंत्री ने कश्मीरियत को संजोने में कश्मीरी पंडितों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने तीन खानदानों की सियासत पर निशाना साधते हुए कहा कि इनकी स्वार्थी राजनीति ने कश्मीरी हिंदुओं और सिखों को भी उनके घरों से बेघर कर दिया। ये तीन खानदान यहां कश्मीरी हिंदुओं और सिखों पर हुए अत्याचार के भागीदार रहे हैं। पीएम मोदी ने श्रीनगर के लाल चौक की स्थिति पर भी बात की, जहां पहले तिरंगा फहराना खतरनाक माना जाता था। लेकिन, अब हालात बदल गए हैं। उन्होंने बताया कि अब श्रीनगर के बाजारों में ईद और दीवाली दोनों की रौनक होती है और देर रात तक भीड़ रहती है।

दून वैली मेल

संपादकीय

राजनीति का घृणित चेहरा

ऐसा लगता है कि 2024 के लोकसभा चुनावों से भाजपा नेताओं ने कोई सबक नहीं लिया है तथा उन्हें अभी यह समझ नहीं आ रहा है कि लोकतंत्र की अहमियत क्या है? तथा भारत में लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी है और कितनी मजबूत है। विपक्ष विहीन सरकार की कल्पना करने वाले इन नेताओं द्वारा अभी भी अगर तानाशाही का सपना पाला हुआ है तो वह अब भाजपा के लिए आत्मघाती सिद्ध होकर रहेगा या फिर उनका स्वयं का भी उससे कोई कल्याण नहीं हो सकता है। नेता विपक्ष राहुल गांधी के अभी हाल के अमेरिका दौरे को लेकर भाजपा के सांसद और विधायकों की जिस तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही है वह इस बात को साबित करती है कि विपक्ष की मजबूती और राहुल गांधी के खिलाफ वह सत्ता में रहकर भी कितने कमजोर हो चुके हैं। केंद्र में एनडीए की सरकार बन जरूर गई है और उसका नेतृत्व भी भले ही नरेंद्र मोदी ही कर रहे हैं लेकिन अब देश में अगर किसी के नाम की चर्चा है तो वह राहुल गांधी है। खास बात यह है कि भाजपा के वह नेता ही उन्हें चर्चाओं के केंद्र में रखकर विशेष बना रहे हैं जो उनके एक-एक बयान पर तीखी अमर्यादित और असंवैधानिक भाषा बोलने में अपनी बहादुरी समझ रहे हैं। राहुल गांधी को आतंकवादी, राष्ट्रीय द्रोही और देश का दुश्मन बताने वाले इन राष्ट्रभक्त नेताओं के पास अगर इसका कोई प्रमाण है तो वह उनके खिलाफ मुकदमा क्यों नहीं कराते उनकी सरकार है उन्हें तो चाहिए था कि अमेरिका से वापस लौटते ही एयरपोर्ट पर गिरफ्तार करवा देना चाहिए था। भाजपा सांसद रवनीत बिट्टू उन्हें आतंकवादी नंबर वन बता रहे हैं और उनकी तुलना पन्नू से कर रहे हैं। शिवसेना विधायक संजय गायकवाड ने तो राहुल की जीभ काटकर लाने वाले को 11 लाख इनाम देने की घोषणा कर डाली है। गिरिराज सिंह से लेकर देश के गृहमंत्री अमित शाह तक उनको लेकर तमाम तरह के बयान दे रहे हैं। अगर राहुल गांधी ने अमेरिका में ऐसा कुछ कहा है कि जो आपत्तिजनक है या देश के खिलाफ है तो राहुल गांधी के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही होनी ही चाहिए? लेकिन यह आरोप अगर मनगढ़ंत है तो निश्चित तौर से राजनीति का इससे अधिक घृणित चेहरा कुछ और नहीं हो सकता है? कांग्रेस अब इन नेताओं के खिलाफ खुद एफआईआर करा रही है। हमने देखा था कि संसद के प्रथम सत्र में जब नेता विपक्ष ने भाजपा के नेताओं को यह कह दिया कि तुम हिंदू नहीं हो क्योंकि हिंदू किसी की हत्या नहीं कर सकता। उनके इस बयान को खुद पीएम मोदी ने यह कहकर उन्होंने हिंदुओं को हत्यारा बता कर देश के हिंदुओं का अपमान किया है इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा भाजपा ने इसे लेकर भी राहुल के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया था। ठीक वैसा ही अब उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान कही गई बातों को उनका न सिर्फ गलत मतलब निकाले जा रहे हैं बल्कि दुष्प्रचार किया जा रहा है। खास बात यह है कि ऐसा करने वाले भाजपा नेता खुद ही राहुल का प्रचार मशीन बन चुके हैं और वह अपने नुकसान के साथ-साथ भाजपा को इतना बड़ा नुकसान पहुंचा रहे हैं कि आने वाले चुनाव में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। ऐसा लगता है कि भाजपा के नेता सत्ता जाने की डर से इतने भयभीत है कि उन्हें समझ ही नहीं आ रहा है कि वह क्या कर रहे हैं खास बात यह है कि इन्हें रोकने टोकने वाला भी कोई नहीं है।

नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

चलाते थे। ये लोग ज्यादातर भीडभाड़ वाले दुकानों या बुजुर्ग दुकानदारों के पास छोटी-मोटी खरीदारी करने के लिये जाली नोटों को चलाते थे तथा दुकानदार से शेष असली नोट प्राप्त कर लेते थे।

पुलिस के अनुसार मोहित व निखिल कुमार पूर्व में भी नकली नोट छापने में व बाजार में चलाने के मामले में हिमाचल प्रदेश के थाना नाहन से जेल जा चुके है व मोहित पूर्व में दुष्कर्म के मामले में भी थाना विकासनगर जनपद देहरादून से भी जेल जा चुका है व आरोपी सोरभ पूर्व में थाना पटेलनगर देहरादून से बेग छीनने के मामले में जेल जा चुका है। सौरभ पुत्र जसबीर मूल रूप से गांधी कालोनी थाना देवबंद जिला सहारनपुर उ.प्र. का निवासी है जिसने पाँचवी तक पढ़ाई की है व अविवाहित है। आरोपी विशाल व नीरज सगे भाई है जो सौरभ के दोस्त हैं व एक ही गांव के हैं। दोनो भाई चंद्रबनी देहरादून में किराए का कमरा लेकर प्रिंटर व लैपटॉप के माध्यम से जाली नोट बनाने का काम करते थे।

तां सु ते कीर्तिं मघवन्महित्वा यत्त्वा भीते रोदसी अह्वयेताम्।
प्रावो देवाँ आतिरो दासमोजः प्रजायै त्वस्यै यदशिक्ष इन्द्र।।
(ऋग्वेद १०-५४-१)

हे तेजोमय प्रभु ! मैं आपकी महिमा की स्तुति करता हूं। भयभीत हुए पृथ्वी और द्युलोक अपनी रक्षा के लिए आपको ही पुकारते हैं। आप प्रकृति के उपहार की रक्षा करते हैं। आप दिव्य गुणों का रक्षण करते हैं और दस्यु वृत्ति को दूर भगाते हैं। आपकी मित्रता से दिव्य गुणों में वृद्धि होती है और असुर भावों का नाश होता है।

ऋषिकेश में उत्तराखण्ड बचाओ संघर्ष समिति की स्वाभिमान रैली 29 को

संवाददाता

पिथौरागढ़। उत्तराखण्ड बचाओ संघर्ष समिति की स्वाभिमान रैली 29 सितम्बर को होगी।

आज यहां उत्तराखंड बचाओं संघर्ष समिति के कार्यकर्ता 29 सितंबर को ऋषिकेश में आयोजित उत्तराखंड स्वाभिमान रैली में भाग लेंगे। इसके लिए उत्तराखंड की सभी जिला इकाइयों को तैयारी करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि आज उत्तराखंडी नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी भी माफ नहीं करेगी।

समिति के राज्य संयोजक तथा चीन सीमा से लगे मुनस्यारी के जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि 24 वर्षों में उत्तराखंड को हमने बिकते हुए देखा है। उत्तराखंड को अय्याशी का अड्डा बना दिया गया है। उत्तराखंड की संस्कृति और सामाजिक संरचना को

कुचला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के जमीन, पर्यावरण, रोजगार के साथ यहां की बहन बेटियों को बचाने के लिए मूल निवास 1950 तथा सख्त भू-कानून की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की भावी पीढियों के लिए बचाने के लिए हर उत्तराखंडी को इस स्वाभिमान रैली में भाग लेना चाहिए।

उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के पंचायत प्रतिनिधियों के संगठन उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन इस आंदोलन को पूर्व में ही अपना समर्थन दे चुका है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि संघर्ष समिति के प्रत्येक जनपद के कार्यकर्ता 29 सितंबर को ऋषिकेश की स्वाभिमान रैली में भाग लेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि उत्तराखंड के हर गांव में षांव बचाओ संघर्ष समितिष का निर्माण किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात को लेकर जोर दिया कि अगर उत्तराखंड को बचाना है तो हमें सबसे पहले अपने गांव को बिकने तथा अय्यासी का अड्डा बनने से बचाना होगा। उन्होंने कहा कि अब और अंकिता भंडारी जैसी दुखद घटना को हम नहीं देखना चाहते है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में 'बोल पहाड़ी हल्ला बोल' हर चौराहे पर सुनाई देना चाहिए तभी उत्तराखंड मे आने तथा जाने वाली सरकारे जागेगी।

चैक बाउंस मामले में वारंटी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। चैक बांउस मामले में फरार चल रहे वांरटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश किया गया है।

जानकारी के अनुसार कनालछीना थाने में दर्ज चेक बाउंस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, अदालत द्वारा चेक बाउन्स मामले में आरोपी के खिलाफ एन. आई. एक्ट के तहत वारण्ट जारी किया गया था।

पुलिस के अनुसार आरोपी भूपेश प्रसाद टम्टा पुत्र जगदीश प्रसाद निवासी कानाधार पो. छड़नदेव थाना कनालछीना के खिलाफ चेक बाउन्स का मामला दर्ज किया गया था। अदालत द्वारा बार-बार समन भेजे जाने के बावजूद, आरोपी पेश नहीं हुआ, जिसके कारण अदालत ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। जिसे पुलिस द्वारा कल देर शाम गिरफ्तार कर लिया गया है।

सेना के हवलदार की भूमि पर कब्जा करने पर तीन के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पौडी गढवाल निवासी अजय सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह वर्तमान में भारतीय थल सेना में हवलदार के पद पर सेकेण्ड बटालियन पैराशूट रेजीमेन्ट (स्पेशल फोर्सेस) में तैनात है। उसने पंजीकृत विक्रयपत्र सुनील कोटनाला, पुत्र दयाराम, निवासी-गुसांई चौक अम्बीवाला, प्रेमनगर, देहरादून से भूमि मौजा शीशमबाडा, तहसील विकासनगर, जिला देहरादून क्रय की थी, सुनील कोटनाला द्वारा भूमि का निर्विवाद अध्यासन उसको सौंप दिया था। उसका नाम खतौनी में दर्ज है। भूमि क्रय करने के बाद उसने भूमि की सीमाओ पर ईंट की बाउन्ड्रीवाल का निर्माण किया था। कुछ महिने पूर्व से जाकिर हुसैन, पुत्र रमजान, निवासी-शीशमबाडा, देहरादून, सुनील कोटनाला व विरेन्द्र भण्डारी, निवासी-गौरखपुर, ग्रीन सिटी, बडोवाला ने उसको तंग व परेशान करना शुरू कर दिया है और उसकी उक्त भूमि पर अवैध कब्जा करने की कोशिश करने लगे। माह दिसम्बर 2023 में जब वह सेना की डयूटी से छुटटी मिलने पर अपनी भूमि पर आया तो उसने पाया कि उसकी भूमि की बाउन्ड्रीवाल को जाकिर हुसैन, सुनील कोटनाला व विरेन्द्र भण्डारी द्वारा क्षतिग्रस्त किया गया है। इसकी रिपोर्ट उसके द्वारा पुलिस थाना पटेल नगर, देहरादून में की गयी थी, जिसके पश्चात उन्हे थाने बुलाया गया जहां उन्होने यह आश्वासन दिया कि वह भविष्य में कभी भी ऐसी हरकत नही करेगे, परन्तु इसके बावजूद भी यह व्यक्ति अपनी गैर कानूनी हरकतो से बाज नही आये और आज भी उसकी भूमि में अवैध हस्तक्षेप कर रहे है व उसे हडपने की फिराक में है। अप्रैल 2024 को जब वह अपनी भूमि पर गया तो उसने पाया कि उसकी भूमि पर बाउन्ड्रीवाल को पूर्णतया ध्वस्त कर दिया गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डीआईटी यूनिवर्सिटी के पांच फैकल्टी मेंबर्स को मिला वैज्ञानिकों में स्थान

संवाददाता

देहरादून। डीआईटी यूनिवर्सिटी ने पांच प्रतिष्ठित फैकल्टी मेंबर्स को स्टैनफोर्ड युनिवर्सिटी की प्रभावशाली वैज्ञानिकों में शामिल किया।

आज यहां डीआईटी यूनिवर्सिटी ने अपने पांच प्रतिष्ठित फैकल्टी मेंबर्स को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की 2024 की प्रतिष्ठित शीर्ष 2 प्रतिशत सबसे प्रभावशाली वैज्ञानिकों की सूची में शामिल करके अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। यह वैश्विक मान्यता विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता और अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचार के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जिनमें डॉ. नीरज कुमार सेतिया, डॉ. देबाशीष चोधरी, डॉ. सब्या सचि दास, डॉ. विनोद कुमार गुप्ता, डॉ. अनिल कुमार हैं। इनमें से प्रत्येक ने अपने-अपने

क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, और खुद को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विचार नेताओं के रूप में स्थापित किया है। उनके अभूतपूर्व शोध, उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में कई प्रकाशन और विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के प्रति समर्पण ने उन्हें प्रतिष्ठित सूची में स्थान दिलाया है। स्टैनफोर्ड टॉप 2 प्रतिशत सूची को दुनिया भर के प्रभावशाली शोधकर्ताओं के सबसे व्यापक मूल्यांकन में से एक माना जाता है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा संकलित, यह सूची एच-इंडेक्स, सह-लेखकत्व समायोजित एचएम-इंडेक्स और उद्धरणों और प्रकाशनों की संख्या जैसे मानकीकृत उद्धरण मीट्रिक के आधार पर विभिन्न विषयों के वैज्ञानिकों का मूल्यांकन करती है। इस उपलब्धि पर बोलते हुए, डीआईटी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जी. रघुराम ने बहुत गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पूरे डीआईटी विश्वविद्यालय समुदाय के लिए बहुत खुशी और गर्व का क्षण है। इस तरह की प्रतिष्ठित वैश्विक सूची में हमारे पांच फैकल्टी मेंबर्स का शामिल होना शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए हमारी अथक खोज को दर्शाता है।

प्रेग्नेंसी की वजह से हर 20 मिनट में 1 किशोरी की होती है मौत

दुनियाभर में प्रेग्नेंसी या बच्चे को जन्म देने के दौरान हर 20 मिनट में 1 टीनएज बच्ची की मौत हो जाती है। यह नए आंकड़े इस बात को साबित करते हैं कि दुनियाभर में 15 से 19 साल की टीनएज लड़कियों की मौत का सबसे बड़ा कारण प्रेग्नेंसी है। प्रेग्नेंसी या बच्चे को जन्म के दौरान होने वाली जटिलताओं की वजह से हर साल करीब 30 हजार टीनएज लड़कियों की मौत हो जाती है। इनमें से ज्यादातर गरीब परिवार और ग्रामीण इलाकों की होती हैं। एनजीओ की ओर से जारी आंकड़े बताते हैं कि प्रेग्नेंसी से जुड़ी समस्याओं जैसे ब्लीडिंग, ब्लड पॉइजनिंग, लेबर के दौरान अवरोध, असुरक्षित गर्भपात की वजह से होने वाली जटिलताएं, दुनियाभर में टीनएज लड़कियों की मौत का सबसे बड़ा कारण है। यह खतरा सिर्फ मां के लिए नहीं बल्कि होने वाले बच्चे के लिए भी है। आंकड़े बताते हैं कि टीनएज माताओं से जन्म लेने वालों नवजात बच्चे की भी मृत्यु का खतरा अधिक उम्र की माताओं से जन्म वाले बच्चों की तुलना में अधिक होता है। 20 साल से कम उम्र की मां से जन्म लेने वाले बच्चे की मौत का खतरा 20 साल से अधिक उम्र की मां से जन्मे बच्चे की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक होता है।

हालांकि दुनियाभर में साल 1990 के बाद से प्रेग्नेंसी और बच्चे को जन्म देने के दौरान होने वाली मौतों का आंकड़ा कम हुआ है। बावजूद इसके कई देशों में अब भी हजारों टीनएज लड़कियां हर साल जबरन हुई शादी या रेप की वजह से समय से पहले मां बन जाती हैं। नाइजीरिया, डिमेक्रैटिक रिपब्लिक ऑफकांगो, मलावी और तन्जानिया जैसे देशों की गरीब लड़कियों को तो गर्भनिरोधक तक नहीं दिया जाता।

इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता कि हर साल इतनी युवतियों की मौत सिर्फ इसलिए हो रही है क्योंकि उन्हें गर्भनिरोधक जैसे कॉडम या दवाएं नहीं दी जाती। फिर चाहे इसकी वजह सांस्कृतिक दीवारें हों या फिर काल्पनिक बातें। यूके ने इस खतरनाक अवरोधों को खत्म करने की दिशा में कदम उठाया है ताकि दुनियाभर की महिलाओं और लड़कियों के पास इस बात का अधिकार हो कि उन्हें कब और कैसे प्रेग्नेंट होना है। एक निर्णय जो उनकी जान बचा सकता है। लेकिन यह साफ है कि अभी इस मामले में और काम करने की जरूरत है। लड़कियों के लिए गर्भनिरोधक की पहुंच बढ़ानी होगी और उसे मुफ्त में बांटना होगा। साथ ही हमें फैमिली प्लानिंग से जुड़ी झूठी और काल्पनिक बातों को भी दूर कर लड़कियों को जागरूक करना होगा ताकि वे फैसला कर सकें कि उनके अपने शरीर के साथ क्या होगा।

स्ट्रॉबेरी खाने के लाभ

लाल रंग का रसीला स्ट्रोबेरी अपनी मनमोहक खुशबू व स्वाद के कारण विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय फल माना जाता है। स्ट्रॉबेरी का नाम सुनते ही हर किसी के मुंह में पानी आ जाता है। कई लोग इसे बहुत पसंद करते हैं मगर कुछ लोगों को यह बिल्कुल भी पसंद नहीं। इसका कई रूपों में उपयोग किया जाता है। स्ट्रॉबेरी का मिल्क शेक हो या फिर आइसक्रीम स्ट्रॉबेरी का मीठा दही या फिर जैम, किसी भी रूप में क्यों न हो, स्ट्रॉबेरी अपनी मनमोहक सुगंध के कारण पुरे विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय फल है। स्ट्रॉबेरी में फैट फ्री और लो कैलोरी वाली होती है जिसमें ना तो शक्कर होती है और ना ही सोडियम। रोजाना डेढ कप स्ट्रॉबेरी खाने से आपको बाहर का कोई स्नैक्स खाने की जरूरत नहीं पडेगी जिससे वजन नियंत्रण में रहेगा।

स्ट्रॉबेरी न्यूटीएंट और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर है। विटामिन सी होने की वजह से यह आपके इम्यून सिस्टम को बडाने में मदद करती है। यह कैटरेक्ट मोतियाबिंद होने से रोकती है और कॉर्निया व रेटिना को स्ट्रॉन्ग बनाती है। यह कैन्सर से भी बचाती है। पौटेशियम की वजह से यह ब्लडप्रेशर संतुलित रखती है। फाइबर होने की वजह से यह पाचन तंत्र को ठीक रखती है। स्ट्रॉबेरी ना केवल स्वाद में ही लाजवाब होती है मगर इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। दरअसल हाल ही में हुए एक अध्ययन में पता चला है कि स्ट्रॉबेरी हमारे भीतर हृदय रोगों और मधुमेह का विकास नहीं होने देती। स्ट्रॉबेरी में विटामिन सी होता है जो कि आपके दिनभर की विटामिन सी की कमी को पूरा करती है। यह एक आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकती है, जिससे आप दिन भर लगन से काम कर सकें।

एलोवेरा के पौधे की इस तरह से करें देखभाल

एलोवेरा का पौधा कई औषधीय गुणों से समृद्ध होता है, शायद इसलिए कई लोग इसे अपने घर या फिर गार्डन में लगाना काफी पसंद करते है। हालांकि, कई बार यह देखने में आता है कि लोग इस पौधे की देखभाल को अनदेखा कर देते हैं, जिसके कारण यह खराब हो सकता है। आइए आज आपको बताते हैं कि एलोवेरा के पौधे की देखभाल किस तरह की जानी चाहिए ताकि यह हमेशा हरा-भरा दिखाई दे।

गमले की मिट्टी पर दें ध्यान

एलोवेरा के गमले में मौजूद मिट्टी को समय-समय पर चेक करते रहना जरूरी है। इस पौधे की मिट्टी न तो बहुत गीली होनी चाहिए और न ही ज्यादा सूखी बल्कि ऐसी हो जिसमें नमी बनी रहे। हो सके तो एलोवेरा के पौधे को एक ऐसे गमले में रखें, जिसमें नीचे की ओर छेद हो और मिट्टी से अतिरिक्त पानी गमले से बाहर निकल सके। अगर आपने घर में यह पौधा लगाया है तो इसके गमले के नीचे एक प्लेट रखें।

सीमित मात्रा में दें पानी

अभी सर्दी का मौसम चल रहा है, इसलिए एलोवेरा के गमले में नियमित रूप से सीमित मात्रा में पानी डालें। दरअसल, एलोवेरा के गमले में अधिक पानी डालने से पौधे की जड़ सड़ सकती है, जिसके कारण एलोवेरा की पत्तियां भी खराब हो सकती हैं। वहीं, इससे इसकी पत्तियों का रंग भी फीका पड़ सकता है। इसलिए सर्दियों में इस पौधे के गमले में पानी तभी डालें, जब मिट्टी सूखी दिखने लगे।

पौधे के लिए धूप भी है जरूरी

पानी के साथ-साथ एलोवेरा के पौधे को पर्याप्त मात्रा में धूप दिखाएं। बस ध्यान रखें कि पौधे पर सूरज की सीधी किरणें न पड़ें, इससे पौधा मुरझा सकता है। इसलिए पौधे के ऊपर हमेशा शेड लगवाएं। ऐसा करने से पौधे को पर्याप्त धूप भी मिल जाएगी और आपके पौधे खराब भी नहीं होंगे। वहीं, अगर आपने एलोवेरा का पौधा घर के अंदर लगाया हुआ है तो इसे किसी ऐसी खिड़की के पास रख दें जहां इसे हल्की धूप मिलती रहे।

समय-समय पर खाद डालते रहें

अगर आप अपने एलोवेरा के पौधे को स्वस्थ और खूबसूरत बनाए रखना चाहते हैं तो इसमें समय-समय पर खाद डालते रहें। खाद के रूप में हमेशा ही जैविक खाद का इस्तेमाल करें क्योंकि रासायनिक खाद पौधे के लिए काफी हानिकारक साबित हो सकता है। हालांकि, अगर आपको कहीं से जैविक खाद नहीं मिल रहा है तो आप खाद के तौर पर केले और अंडों के छिलकों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

वर्टिगो से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं ये योगासन!

अगर चलते-चलते या फिर अचानक खड़े होने पर आपका सिर घुमने लगता है और शारीरिक संतुलन बनाए रखने में समस्या होती है तो आपको बता दें कि ये वर्टिगो के लक्षण हैं। हालांकि, कई लोगों को वर्टिगो के बारे में पता नहीं चलता और समस्या गंभीर होने लगती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे योगासनों के अभ्यास का तरीका बताते हैं, जो वर्टिगो से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं।

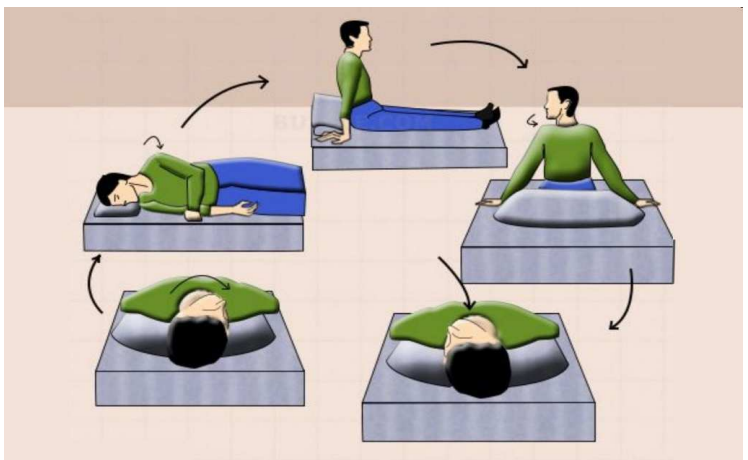

सुप्त बद्धकोणासन

सुप्त बद्धकोणासन के लिए पहले योगा मैट पर पीठ के बल लेट जाएं, फिर अपने दोनों हाथों और पैरों को अपनी क्षमतानुसार फैला लें। अब पैरों को घुटनों से मोड़कर अपने दोनों तलवों को आपस में मिला लें। इस दौरान अपनी दोनों आंखों को बंद करके सामान्य गति से सांस लेते रहें। कुछ सेकंड के बाद आसन को धीरे-धीरे छोड़ दें। आप चाहें तो अपनी पीठ के नीचे सपोर्ट के लिए कोई मुलायम तकिया भी रख सकते हैं।

पश्चिमोत्तानासन

पश्चिमोत्तानासन के लिए पहले योग मैट पर अपने दोनों पैरों को आपस में सटाक और आगे की ओर फैलाकर बैठ जाएं। अब दोनों हाथ ऊपर की ओर उठाएं, फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें और माथे को घुटनों से सटाते हुए हाथों से पैरों के अंगूठों को पकड़ने का प्रयास करें। कुछ सेकंड के लिए इसी अवस्था में बने रहें और सामान्य रूप से सांस लेते रहें, फिर गहरी सांस लेते हुए सामान्य हो जाएं।

हलासन

हलासन करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पीठ के बल सीधे लेट जाएं, फिर अपने हाथों को शरीर से सटाकर रखें। अब सांस लेते हुए पैरों को 90 डिग्री तक ऊपर उठाएं, फिर सांस छोड़ते हुए टांगों को धीरे-धीरे सिर के ऊपर से पीछे की ओर ले जाएं। इस दौरान हाथों को कमर से हटाकर जमीन पर सीधा ही रखें। इसके बाद सांस लेते हुए धीरे-धीरे वापस प्रारंभिक अवस्था में आ जाएं।

बालासन

बालासन के लिए सबसे पहले योगा मैट पर वज्रासन की मुद्रा में बैठें और गहरी सांस लेते हुए हाथों को ऊपर उठाएं, फिर सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुककर माथे को जमीन से सटाएं। इस अवस्था में दोनों हाथ सामने, माथा जमीन से टिका हुआ और छाती जांघों पर रहेगी। कुछ सेकंड इसी मुद्रा में रहकर सामान्य रूप से सांस लेते रहें। इसके बाद सांस लेते हुए वापस वज्रासन की मुद्रा में आ जाएं और सामान्य हो जाएं।

परमानेंट वर्क फ्रॉम होम का मन बना रहे हैं? पहले इन बातों पर करें गौर

कोरोना काल में एक साल से भी ज्यादा समय से वर्क फ्रॉम होम करने के बाद ज्यादातर लोगों को घर से ही काम करने की आदत हो गई है। ऐसे में कई बड़ी कंपनियां अपने कर्मचारियों के वैक्सीन लगवा लेने के बाद भी उन्हें घर पर रहकर काम करने का विकल्प दे रही हैं। इसलिए, अगर आप भी इन दिनों परमानेंट वर्क फ्रॉम होम का मन बना रहे हैं तो पहले इन बातों पर गौर करना न भूलें।

सैलरी का रखें ध्यान

परमानेंट वर्क फ्रॉम होम करने से पहले अपनी सैलरी में होने वाले परिवर्तन और इसके प्रभाव पर विचार जरूर करें। बहुत से एंप्लॉयर लोकेशन के आधार पर वेतन का लेवल सेट करते हैं। इसका मतलब है कि हमेशा घर से काम करने पर सामान्य कर्मचारियों की तुलना में आपके वेतन में कटौती की जा सकती है, जिससे महंगे शहरों में रहने पर कर्मचारी अपने वेतन में कमी महसूस कर सकते हैं।

ऑफिस और घर के कम्फर्ट लेवल को पहचानें

आपके दिन का बहुत सा समय ऑफिस के काम में जाता है, इसलिए यह जानना बहुत जरूरी है कि क्या आप लंबे समय के लिए घर से काम करके बेहतर हैं या आप काम करने के लिए अपने ऑफिस के वातावरण की कमी को महसूस करते हैं। लंबे समय तक काम करने के लिए अपने सबसे अच्छे कम्फर्ट को पहचानना बहुत जरूरी है। ये कम्फर्ट फिजिकल होने के साथ ही साथ मेंटल भी होना चाहिए।

करियर के लिए खतरा बन सकता वर्क फ्रॉम होम

जो लोग घर से पार्ट टाइम या फुल टाइम काम करते हैं, उन्हें प्रमोशन और परफॉर्मेंस वैल्यूऐशन के मामले में नुकसान हो सकता है। अपने प्रमोशन के साथ ही मैनेजर को अपनी ग्रोथ के बारे में बताने के लिए अपनी टीम साथ एक अच्छा रिलेशन होना बहुत जरूरी है। इसके लिए सबसे अच्छा विकल्प है अपनी टीम के साथ व्यक्तिगत रूप से रिलेशन बनाना, जो कि वर्क फ्रॉम होम में रहकर संभव नहीं होगा।

घर और ऑफिस मेंबर्स के बीच बैलेंस जरूरी

अगर आप एक ऐसे घर में रहते हैं जहां बहुत लोग हैं और उन्हीं के बीच रहकर आपको काम करना है, तो परमानेंट वर्क फर्म होम के लिए अप्लाई करने से पहले इनके बारे में जरूर सोच लें। यह सोचना खासकर उन लोगों के लिए जरूरी है, जिनके यहां दोनों ही दंपति वर्किंग हैं। ऐसे में सामान्य स्थिति में भी घर से काम करने पर घर की जिम्मेदारियों से लेकर बच्चे की देखभाल तक आपको उठानी पड़ सकती है।

स्किन इंफेक्शन से बचने के लिए इस तरह इस्तेमाल करें ग्लिसरीन

सर्दियों की मौसम की शुरुआत होने वाली है. इस मौसम में त्वचा का खास खयाल रखना बहुत जरूरी है. सर्दी में ड्राई स्किन से छुटकारा पाने के लिए ग्लिसरीन का इस्तेमाल कर सकते हैं. ग्लिसरीन का वैज्ञानिक नाम ग्लिसरॉल है जिसका इस्तेमाल बॉडी लोशन और हाइड्रेटिंग क्री में किया जाता है. ये त्वचा को हाइड्रेट रखने के साथ खुजली और इंफेक्शन को कम करने में मदद करता है.

ग्लिसरीन का इस्तेमाल कई तरीके के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स में किया जाता है. इससे उपयोग करने से त्वचा ग्लोइंग और हेल्दी नजर आती है. इसका नियमित रूप से इस्तेमाल करने से एक्ने, पिंपल्स से छुटकारा दिलाने में मदद करता है. आइए जानते हैं ग्लिसरीन के फायदों के बारे में.

ग्लिसरीन त्वचा को ग्लोइंग बनाए रखने में मदद करता है. आप इसका इस्तेमाल हैवी मेकअप को हटाने के लिए कर सकती हैं. इसके लिए आपको गुलाब जल में ग्लिसरीन मिलाना है और रूई की मदद से चेहरे पर लगाएं. कुछ मिनटों में मेकअप अच्छी तरह से साफ हो जाएगा. इस मिश्रण को लगाते समय ध्यान रखे की ग्लिसरीन आंखों में न जाए.

त्वचा में कसाव लाने के लिए ग्लिसरीन का उपयोग कर सकते हैं. आप इसका इस्तेमाल टोनर के रूप में डेली स्किनकेयर रूटीन में कर सकते हैं. इसके लिए आधा कप गुलाब जल लें और उसमें एक चम्मच ग्लिसरीन डालें. इसमें कॉटन बॉल डालकर त्वचा पर अच्छी तरह से अप्लाई करें. कई कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स में ग्लिसरीन का इस्तेमाल मॉश्चराइजर के रूप में होता है. इसके लिए आप बादाम के तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. बादाम के तेल में विटामिन ई की भरपूर मात्रा होती है जो स्किन प्रॉब्लम्स से छुटकारा दिलाने में मदद करता है.

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या जोर जोर से खांसकर हार्ट अटैक में बच सकती है जान?

हार्ट अटैक अक्सर जानलेवा साबित होता है। हार्ट अटैक आने पर डॉक्टर मरीज को फर्स्ट एड देने के साथ साथ तुरंत अस्पताल ले जाने की सलाह देते हैं। देखा जाए तो सीपीआर और फर्स्ट एड के जरिए मौके पर मरीज को थोड़ी राहत मिल सकती है लेकिन उसे अस्पताल ले जाना जरूरी हो जाता है। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रही है जिसमें कहा जा रहा है कि हार्ट अटैक आने पर मरीज जोर जोर से खांस कर अपनी जान बचा सकता है।

इस प्रोसेस को कफ सीपीआर का नाम भी दिया गया है। लेकिन क्या वाकई ऐसा है। अगर ये सच है तो इस संबंध में डॉक्टर क्या कहते हैं। चलिए जानते हैं सोशल मीडिया पर हार्ट अटैक को लेकर किए जा रहे इस दावे की सच्चाई क्या है।

बिल्कुल नहीं। ये एक गलत और भ्रामक दावा है। डॉक्टर कहते हैं कि कफ सीपीआर जैसी कोई चीज नहीं है। हार्ट अटैक के दौरान जोर जोर से खांस कर मरीज की जान नहीं बचाई जा सकती है। ना ही तेजी से सांस लेने से कोई फायदा हो सकता है। डॉक्टर कहते हैं कि कफ सीपीआर जैसी कोई मेडिकल टर्म नहीं है जिसके जरिए मरीज की जान बचाई जा सकती है।

आपको बता दें कि उक्त वायरल पोस्ट में कहा गया था कि अगर सीने में दर्द हो,जबड़े में दर्द फील हो रहा हो तो ये हार्ट अटैक हो सकता है। इस दौरान कोई मदद के लिए मौजूद नहीं है तो व्यक्ति को जोर जोर से खांसना चाहिए और लंबी लंबी सांस लेनी चाहिए। ऐसा करने से फेफड़ों को ऑक्सीजन मिलेगी और जान बच सकेगी।

आपको बता दें कि इससे पहले सोशल मीडिया पर ही एक और वायरल पोस्ट चली थी जिसमें कहा गया था कि हार्ट अटैक आने पर अदरक खाने से जान बच सकती है। डॉक्टरों की सलाह है कि ऐसे किसी भी दावे पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। हार्ट अटैक गंभीर स्थिति होती है। इस दौरान सुनी सुनाई बातों पर विश्वास और अमल करने से पहले मरीज को प्रशिक्षित व्यक्ति के जरिए सीपीआर देनी चाहिए और संभव है तो तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए।

स्त्री 2 बनी दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2' रिलीज होने के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है. इस फिल्म ने इतना ज्यादा कलेक्शन कर लिया है कि हर कोई हैरान रह गया है. दिलचस्प बात ये है कि 'स्त्री 2' को रिलीज हुए एक महीना होने वाला है लेकिन दर्शकों के सिर से इसका फीवर उतरने का नाम नहीं ले रही है. ऐसे में फिल्म की बमफाड़ कमाई हो रही है और ये हर दिन तमाम फिल्मों के रिकॉर्ड भी तोड़ती जा रही है.

'स्त्री 2' ने वो कमाल कर दिखाया है जो बड़े स्टार कास्ट की बड़े बजट वाली फिल्में नहीं कर पाई. ये फिल्म साल 2024 की सबसे बड़ी फिल्म तो काफी पहले ही बन गई थी वहीं अब ये फिल्म सबसे ज्यादा कमाई करने तीसरी हिंदी फिल्म भी बन गई. दरअसल अपनी दमदार कहानी और स्टार कास्ट की जबरदस्त परफॉर्मेंस के साथ ही शानदार निर्देशन की बदौलत ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एकछत्र राज कर रही है और हर दिन करोड़ों में कमाई कर रही है.

फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो तरण आदर्श द्वारा शेयर किए दए आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने पहले हफ्ते में 307.80 करोड़ की कमाई की थी. 'स्त्री 2' साल 2018 में आई 'स्त्री' की सीक्वल है. इस हॉरर कॉमेडी का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है और ये दिनेश विजान के सुपरनैचुरल यूनिवर्स की पांचवीं इंस्टॉलमेंट है. फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर ने लीड रोल निभाया है. वहीं पकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना ने भी अहम किरदार निभाया है. फिल्म में अक्षय कुमार, तमन्ना भाटिया और वरुण धवन का धांसू कैमियो है.

शब्द सामर्थ्य - 71

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

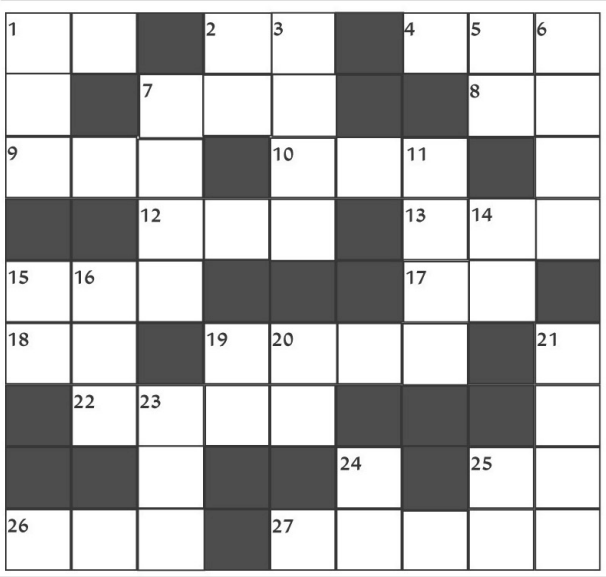

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल

वि	ज	य		ब	नि	या		दे
वा		ती	त	र		रा	जी	व
ह	मा	म		स	प	ना		ता
	न				टा			
दा	व	त		वि	ना	श		अ
य		ह	त्या			ह	र्जा	ना
रा	ह	त		न	ज	र		व
	वा				मी		ना	श्य
दु	ला	रा		जा	न	की		क

जूनियर एनटीआर के भाई नंदमुरी मोक्षगना तेजा की टॉलीवुड में एंट्री

टॉलीवुड में अब एक और स्टारकिड नंदमुरी मोक्षगना तेजा की एंट्री हो गई है। नंदमुरी मोक्षगना टॉलीवुड सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्णा के सबसे बड़े बेटे हैं और सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के कजिन। नंदमुरी मोक्षगना के बर्थडे पर उनकी टॉलीवुड डेब्यू फिल्म से फर्स्ट लुक सामने आया है। इस फिल्म के नाम का एलान नहीं किया गया है। नंदमुरी मोक्षगना की डेब्यू मूवी को प्रशांत वर्मा डायरेक्ट करने जा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने जा रही है। प्रशांत वर्मा ने मौजूदा साल में सुपरहीरो फिल्म हनु-मैन से सिनेमा में तहलका मचा दिया था। वहीं, प्रशांत वर्मा ने नंदमुरी मोक्षगना के बर्थडे पर फिल्म से धांसू फर्स्ट लुक शेयर किया है। प्रशांत ने

नंदमुरी मोक्षगना को बर्थडे विश कर लिखा है, पूरे सम्मान और जॉय के साथ पेश कर रहे हैं नंदमुरी तारक राव रामा मोक्षगना तेजा, जन्मदिन मुबारक मोक्षू, द पीवीसीयू में आपका स्वागत है, आइए शुरू करते है। इसी के साथ प्रशांत ने नंदमुरी मोक्षगना की डेब्यू फिल्म के लिए उन्हें डायरेक्टर चुने जाने के लिए सुपरस्टार बालाकृष्णा का आभार भी जताया है। प्रशांत ने लिखा है, मुझपर विश्वास करने और आशीर्वाद बनाए रखने के लिए नंदमुरी बालाकृष्णा जी का धन्यवाद करता हूं, आशा करता हूं कि यह प्रोजेक्ट के स्पेशल और शानदार के साथ-साथ यादगार भी बने। नंदमुरी मोक्षगना के बारे में बता दें, वह गुजरे जमाने के सुपरस्टार और जूनियर एनटीआर के दादा एनटी राम राव के पौते हैं। इससे पहले कहा जा रहा था कि वह नंदमुरी मोक्षगना अपना टॉलीवुड डेब्यू अनिल रविपूड़ी के डायरेक्शन में करेंगे, लेकिन नंदमुरी मोक्षगना की फिल्म के एलान के साथ अब इन अटलकों का कोई मतलब नहीं रह गया है। यह भी कहा जा रहा था कि नंदमुरी मोक्षगना साल 1991 में आई फिल्म आदित्य 369 के रीमेक से टॉलीवुड में एंट्री करेंगे। आदित्य 369 नंदमुरी मोक्षगना के स्टार फादर बालाकृष्णा स्टारर फिल्म है। नंदमुरी मोक्षगना ने अपनी डेब्यू फिल्म के लिए शारीरिक तौर पर काफी मेहनत की है। वहीं, एक्टिंग सीखने के लिए नंदमुरी मोक्षगना ने विजाग स्थित सत्यानंद एक्टिंग इंस्टिट्यू में पढ़ाई भी की है। बता दें, यहां, महेश बाबू, प्रभास और पवन कल्याण जैसे सुपरस्टार ने भी एक्टिंग सीखी थी।

अपने ससुराल हैम्बर्ग में समय बिता रही हैं श्रीजिता डे

अभिनेत्री श्रीजिता डे इन दिनों अपने ससुराल हैम्बर्ग में समय बिता रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी इस यात्रा की कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की है। उतरन फेम दिवा के इंस्टाग्राम पर 1।1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने अपने अकाउंट पर अपना हॉलिडे एल्बम शेयर किया है।

फोटो में वह स्लीवलेस थाई-हाई स्लिट ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं, जिसके साथ उन्होंने जूते और सनग्लासेस पहने हुए हैं।

तस्?वीरों में खूबसूरत झील की झलक भी देखी जा सकती है। श्रीजिता ने ग्रामीण इलाकों की भी झलक दिखाई। एक तस्वीर में हम उन्हें हैम्बर्ग की सडक़ों पर घूमते हुए बॉस लेडी वाइब्स के साथ देख सकते हैं।

उनके पति माइकल ब्लोहम-पेप ने पोस्ट पर लिखा, समय बहुत तेजी से बीत गया।। क्या हम वापस जा सकते हैं बेबी?

श्रीजिता ने 1 जुलाई, 2023 को जर्मनी के एक चर्च में अपने लॉन्ग-टर्म बॉयफ्रेंड माइकल से शादी की।

उनके करियर के बारे में बात करें तो उन्होंने 2007 में टीवी शो कसौटी जिंदगी की से गार्गी तुषार बजाज की भूमिका निभाकर अपनी शुरुआत की। एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा निर्मित इस शो में श्वेता तिवारी और सेज़ेन खान मुख्य भूमिका में थे।

इसके बाद वह लेडीज स्पेशल, मिले जब हम तुम, तुम ही हो बंधु सखा तुम्ही, पिया रंगरेज, कोई लौट के आया है, नजर, लाल इश्क और ये जादू है जिन का! जैसे शो में नजर आ चुकी हैं।

श्रीजिता ने विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 16 में भी हिस्सा लिया था।

वह वर्तमान में शैतानी रस्में में अभिनय कर रही हैं। इसमें नकियाह हाजी, विभव रॉय और शेफाली जरीवाला शामिल हैं।

यह शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है। श्रीजिता लव का द एंड, मॉनसून शूटआउट और रेस्क्यू जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रही हैं।

एकता कपूर ने बदल दी अनीता हसनंदानी की जिंदगी

अभिनेत्री अनीता हसनंदानी ने खुद पर कंटेंट क्वीन एकता कपूर के आध्यात्मिक प्रभाव के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने तिरुपति बालाजी में विश्वास करना शुरू किया।

अनीता टीवी होस्ट और रेडियो उद्घोषक सिद्धार्थ कन्नन के पॉडकास्ट पर दिखाई दीं । वीडियो में दिखाया गया कि सिद्धार्थ अनीता से पूछते हैं, एकता बहुत आध्यात्मिक और धार्मिक है...आप भी उतने हो?

अनीता ने जवाब देते हुए कहा, उतनी नहीं हूं, लेकिन उनकी संगत में थोड़ी बहुत हूं। असल में मैंने सिद्धिविनायक मंदिर इसलिए जाना शुरू किया क्योंकि वह जाती हैं।

उन्होंने कहा, मुझे तिरुपति बालाजी में आस्था है, क्योंकि वह इसमें आस्था रखती हैं। मैंने अपने जीवन में जो चमत्कार हुए हैं, उन्हें भी देखा है। मैं कुछ स्तर पर आध्यात्मिक हूं। मैंने पत्थर पहनने की कोशिश की, लेकिन अगर दिल ही साफ नहीं हो, तो यह काम नहीं करेगा।

सिद्धार्थ ने आगे अनीता के साथ हुए चमत्कारों के बारे में पूछा।

अनीता ने कहा, मैंने साउथ में नुव्वु नेनु फिल्म की थी। वो फिल्म अब हिंदी में बनाने जा रहे थे, लेकिन मुझे हिंदी में बनने वाली फिल्म के लिए कास्ट नहीं किया गया। उन्होंने मेरी जगह तुषार कपूर और तारा शर्मा को शामिल कर लिया। उनके इस कदम से मैं काफी निराश थी। इस फिल्म की शूटिंग 25 दिनों तक लगातार हुई।

उन्होंने कहा, आप कल्पना कीजिए कि फिल्म का तेलुगू वर्जन में मैंने किया , लेकिन अफसोस हिंदी वर्जन किसी और से कराया जा रहा है, इसलिए मैं तिरुपति बालाजी गई और मैंने प्रार्थना की कि यह फिल्म मुझे मिले। जब मैं मंदिर से आकर अपनी कार में बैठी, तो मुझसे कहा कि वे इस काम के लिए फिट नहीं हैख? क्या तुम यह करोगी?

फिल्म नुव्वु नेनु की शूटिंग फिल्म निर्देशक तेजा द्वारा की गई थी। फिल्म में उदय किरण मुख्य भूमिका में थे, जबकि सुनील, बनर्जी, तनिकेला भरणी, धर्मवरपु सुब्रमण्यम और तेलंगाना शकुंतला अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

तेजा द्वारा निर्देशित 2003 की ये दिल नुव्वु नेनु की आधिकारिक रीमेक थी।

उन्होंने 2003 की थ्रिलर कुछ तो है से हिंदी फिल्म में डेब्यू किया। अनीता निन्ने इष्टपद्दनु, आदंथे एडो टाइप, कृष्णा कॉटेज, सिलसिले, कोई आप सा, जस्ट मैरिड, अहा ना पेलंता!, रागिनी एमएमएस 2 जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

अनीता इन दिनों टीवी शो सुमन इंदौरी में नजर आ रही हैं।

इंडस्ट्री ने हमेशा से ही मुझे अपनी कहानियां कहने का मौका दिया : अनुष्का रंजन

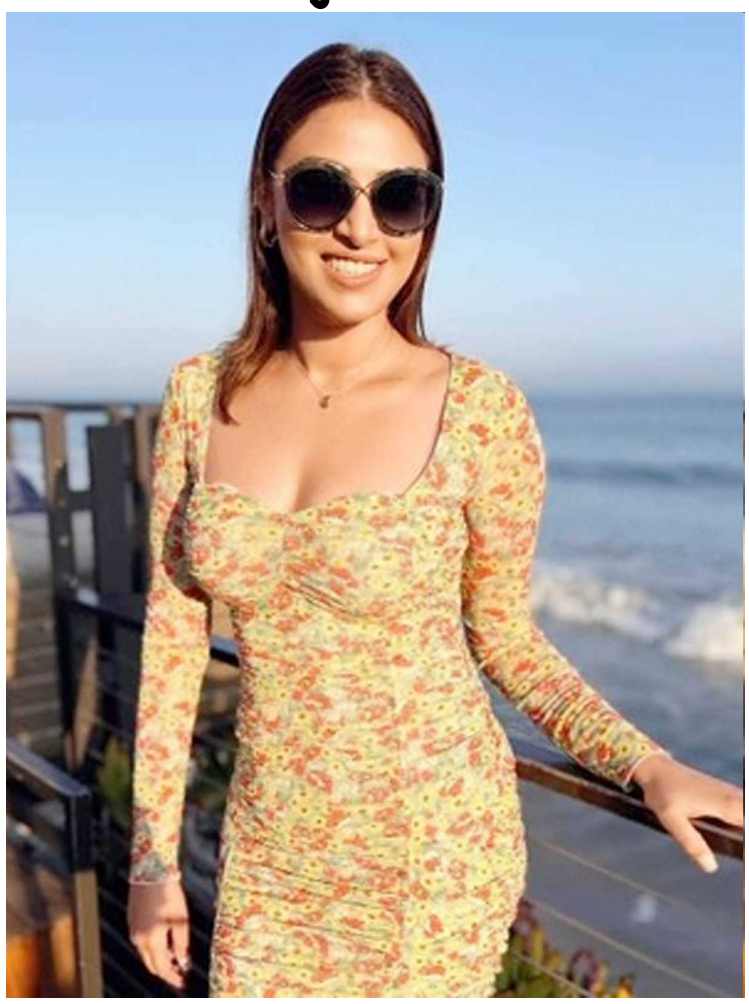

अभिनेत्री अनुष्का रंजन ने कहा कि उन्हें हमेशा इंडस्ट्री ने अपनी खुद की कहानियां देने के लिए हमेशा प्रेरित किया है।

निर्माता अनु और शशि रंजन की बेटी अनुष्का ने कहा, निर्माता के रूप में इस यात्रा पर निकलना एक सपने जैसा है, जिसे मैंने वर्षों से संजोया है। सिनेमा की दुनिया से गहराई से जुड़े परिवार में पली-बढ़ी होने के कारण मुझे हमेशा इंडस्ट्री में अपनी कहानियों का योगदान देने की प्रेरणा मिली है।

इस प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। मगर प्री-प्रोडक्शन का काम पहले ही पूरे जोरों पर चल रहा है। इसकी शूटिंग अगले साल के आरंभ में ही शुरू की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म मेरे दिल में एक खास जगह रखती है, और प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया अविश्वसनीय ऊर्जा और उत्साह से भरी हुई है। मैं एक ऐसी टीम के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं जो कहानी कहने के मेरे विजन और जुनून को दिखाती है।

उन्होंने कहा कि यह अभी भी तय नहीं हुआ है कि मैं या मेरे पति आदित्य सील कलाकारों का हिस्सा होंगे या नही। मगर मेरा पूरा ध्यान एक आकर्षक कहानी बनाने पर है जो दर्शकों को आकर्षित करेगी।

इस फिल्म की प्रोडक्शन के अलावा अनुष्का जल्द ही आगामी वेब सीरीज मिक्सचर में नजर आएंगी, जहां वह पहली बार सह-कलाकार अहाना कुमरा के साथ एक नकारात्मक भूमिका निभाएंगी।

आगामी एक्शन थ्रिलर सीरीज का निर्देशन हनीश कालिया ने किया है। यह सीरीज अपराध और रहस्य की दुनिया में गहराई से उतरती है।

पिनाका एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस साल के अंत में रिलीज होने वाली मिक्सचर गोवा की सुंदर पृष्ठभूमि और मुंबई की हलचल भरी सडक़ों पर आधारित है, जो दर्शकों को अपने कहानी और एक्शन सीन के साथ एक बेहतरीन अनुभव देने का वादा करती है।

अनुष्का ने हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत रोमांटिक कॉमेडी वेडिंग पुलाव से की थी। उन्होंने श्री नारायण सिंह के निर्देशन में बनी शाहिद कपूर अभिनीत बत्ती गुल मीटर चालू में भी अभिनय किया है। साल 2020 में उन्होंने क्रिस्टल डिसूजा और उनके पति आदित्य सील के साथ फितरत में भी काम किया है।

सबसे ख़ौफ़नाक हवाई अपहरण

रजनीश कपूर

जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी डॉ एस पी वैद के अनुसार, उस समय की सरकार के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप ने निर्णय लेने में बहुत देर लगाई। यदि उस विमान को अमृतसर हवाई अड्डे से उडने नहीं दिया जाता तो तस्वीर पूरी तरह बदल जाती। अमृतसर में तैनात स्थानीय अधिकारियों को भी बिना किसी औपचारिक आदेश के, राष्ट्र हित में यह निर्णय ले लेना चाहिए था कि किसी भी सूरत में विमान को उडने नहीं दिया जाए।

बीते सप्ताह नेटफ़्लिक्स पर सत्य घटनाओं पर आधारित एक वेब सीरिज़ रिलीज़ हुई जिसे लेकर काफ़ी बवाल मचा। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ी, नेटफ़्लिक्स ने बिना किसी विलंब के स्पष्टिकरण भी दे दिया। परंतु जिस तरह सत्तापक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं उस स्थिति पर तो मशहूर शायर शहाब जाफ़री का ये शेर एक दम सही बैठता है, तू इधर उधर की न बात कर ये बता कि क़ाफ़िला क्यूँ लुटा? मुझे रहजनों से गिला नहीं तेरी रहबरी का सवाल है। आज हम बात करेंगे देश के इतिहास में हुए सबसे ख़ौफ़नाक हवाई अपहरण की। इस हाईजैक को लेकर बनी वेब सीरिज़ पर इन दिनों काफ़ी बवाल मचा हुआ है। परंतु सवाल उठता है कि यदि ओटीटी प्लेटफार्म ने भूल को सुधार ही लिया है तो फिर बवाल किस बात का? बवाल या विवाद यदि होना ही है तो उस समय की परिस्थितियों को लेकर हो तो शायद सत्य जनता के सामने आए।

यदि चंद घंटों के लिए आपकी ट्रेन या फ्लाइट में देरी हो जाए तो आप किस कदर परेशान हो जाते हैं इसका अनुमान तो आसानी से लगाया जा सकता है। परंतु यदि आप अपने गंतव्य पर जा रहे हैं और अचानक से आपके विमान का हाईजैक कर लिया जाए तो आपकी क्या मनोस्थिति होगी इसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल है। अपहरण जैसे हादसे न सिर्फ़ यात्रियों की बल्कि यात्रियों के परिवार और सरकार की भी परेशानी का सबब बन जाते हैं। क्योंकि न तो कोई सरकार या कोई भी यात्री इन परिस्थितियों के लिए तैयार रहता है। 1999 में हुए आईसी-814 का अपहरण, भारत के इतिहास में अब तक का सबसे लंबा चलने वाला अपहरण है।

इस अपहरण को लेकर उस समय की सरकार द्वारा लिए गए' और न लिये गये' निर्णयों पर विवाद एक बार फिर से गरमा गया है। सत्तापक्ष का कहना है कि नेटफ़्लिक्स पर दिखाए जाने वाली वेब सीरिज़ ने तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया है। यदि ऐसा है तो निर्माताओं द्वारा ऐसा करना बिलकुल ग़लत है। वहीं इस विमान में मौजदू एक महिला यात्री का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी हुआ है जिसने इस बात को खुल कर कहा है कि वेब सीरीज़ में दिखाए गए सभी घटनाक्रम सहीं हैं।

विवाद की बात करें तो सत्तापक्ष को इस बात पर एतराज़ था कि वेब सीरिज़ के निर्माताओं ने पाकिस्तानी मूल के अपहरणकर्ताओं के असली नाम नहीं बताए। उनके कोड नामों को ही प्रचारित किया गया है। चूँकि मैंने इस वेब सीरिज़ को पूरा देखा है इसलिए मैं और मेरे जैसे सभी दर्शक इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि भारत की खुफिया जाँच एजेंसियों के जिन अधिकारियों को इस वेब सीरिज़ में दिखाया गया है, उनमें से कई अधिकारियों ने इन आतंकी अपहरणकर्ताओं के असली नाम भी लिये हैं। परंतु इस तथ्य को भी नहीं झुठलाया जा सकता है कि, हाईजैकिंग के दौरान आईसी-814 में सवार यात्रियों ने पूछताछ में बताया था कि हाईजैकर्स एक-दूसरे को बुलाने के लिए कोडनेम का इस्तेमाल कर रहे थे। ये कोडनेम, चीफ, डॉक्टर, बर्गर, भोला और शंकर थे। यह बात भी सही है कि इनके असली नाम इब्राहिम अतहर, शाहिद अख्तर सईद, शनि अहमद काजी, मिस्त्री जहूर इब्राहिम और शाकिर थे। इन नामों का खुलासा 6 जनवरी 2000 को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में किया गया।

जिस बात को लेकर इस वेब सीरिज़ पर बवाल हुआ है वह यह कि ऐसे आतंकियों को हिंदू कोडनेम से क्यों बुलाया गया है? ग़ौरतलब है कि जिस किसी ने भी यह वेब सीरीज़ देखी है वह बड़ी आसानी से इस बात की पुष्टि कर सकता है कि किस तरह नेपाल में पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी इनका सहयोग कर रहे थे। विमान में यात्रा से पूर्व इन आतंकियों के पहनावे से भी यह बात स्पष्ट हो जाती है कि वे हिंदू नहीं थे। तो फिर बिना बात का बवाल क्यों? वहीं उस समय के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जो अब सेवानिवृत हो चुके हैं, ये मानते हैं कि आईसी-814 के अपहरण को भारत सरकार द्वारा सही से मैनेज' नहीं किया गया।

किस तरह एक सरकारी विभाग, दूसरे विभाग पर ज़िम्मेदारी डालता रहा। एक टीवी चैनल को साक्षात्कार देते हुए जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी डॉ एस पी वैद के अनुसार, उस समय की सरकार के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप ने निर्णय लेने में बहुत देर लगाई। यदि उस विमान को अमृतसर हवाई अड्डे से उडने नहीं दिया जाता तो तस्वीर पूरी तरह बदल जाती। अमृतसर में तैनात स्थानीय अधिकारियों को भी बिना किसी औपचारिक आदेश के, राष्ट्र हित में यह निर्णय ले लेना चाहिए था कि किसी भी सूरत में विमान को उडने नहीं दिया जाए।

आईसी-814 के अपहरण के बदले छोड़े जाने वाले खूँख़ार आतंकवादियों के विषय में डॉ वैद कहते हैं कि, ऐसे खूँख़ार आतंकियों को ज़िंदा पकडना ही ग़लत है। यहाँ मुझे एक दिलचस्प क़िस्सा याद आ रहा है। अब से कई वर्ष पहले मुरादाबाद में मैं एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था जहां पंजाब के पूर्व डीजीपी केपीएस गिल से एक महिला ने सवाल पूछा, गिल साहब जब आप पंजाब में खूँख़ार आतंकियों को पकड़ते थे तो आपको कैसा महसूस होता था? गिल साहब के उत्तर को सुन पूरा हॉल ठहाके लगा कर हंस पड़ा। उनका उत्तर था, मैडम कृपया अपने तथ्य सही कर लें, मैंने कभी किसी आतंकी को ज़िंदा नहीं पकड़ा।

उस संकट की घड़ी में यदि कोई अधिकारी ऐसे ही मज़बूत निर्णय ले लेता तो आज यही वेब सीरिज़ भारत के सरकारी तंत्र के गुणगान में बनती। लेकिन अफ़सोस है कि ऐसा न हो सका। इसलिए यदि कोई राजनैतिक दल वेब सीरिज़ के निर्माताओं पर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगा रहा है तो उसे इस बात के लिए भी तैयार रहना चाहिए कि सरकार द्वारा निर्णय लेने में इतनी देरी क्यों हुई जिस कारण हमें आजतक शर्मसार होना पड़ रहा है? तू इधर उधर की न बात कर ये बता कि क़ाफ़िला क्यूँ लुटा?

सू- दोकू क्र.71

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.70 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

विष्णु मांचू ने उठाया कन्नप्पा की रिलीज की तारीख से पर्दा!

कन्नप्पा विष्णु मांचू की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को और खास बनाने के लिए विष्णु मांचू पूरी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में कई दिग्गज सितारों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं और लगातार बड़ी जानकारियां साझा कर रहे हैं। फिल्म को लेकर विष्णु ने बड़ा एलान किया है। आखिरकार अभिनेता ने फिल्म की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है।

विष्णु मांचू ने अपनी आगामी बड़े बजट की फिल्म कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए यह जानकारी दी कि फिल्म दिसंबर 2024 में रिलीज होगी। कन्नप्पा एक पौराणिक फिल्म है, जो पूरी होने वाली है। मई में फिल्म का टीजर प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। बाद में 14 जून को भारत में टीजर रिलीज किया गया और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

विष्णु मांचू ने एक्स पर कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, दिसंबर 2024 कन्नप्पा, हर हर महादेव। वहीं फिल्म की कहानी की बात करें तो कन्नप्पा एक पौराणिक काल्पनिक फिल्म है, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार ने किया है। यह फिल्म हिंदू भगवान शिव के कट्टर भक्त कन्नप्पा नामक व्यक्ति की कहानी पर आधारित है। कन्नप्पा

का टीजर एक्शन से भरपूर था।

कन्नप्पा की पटकथा विष्णु मांचू ने लिखी है और कहानी का निर्माण परुचुरी गोपाल कृष्ण, ईश्वर रेड्डी, जी नागेश्वर रेड्डी और थोटा प्रसाद ने मिलकर किया है। फिल्म में मोहन बाबू, सरथकुमार, मुकेश ऋषि, ब्रह्मानंदम, मधु और प्रीति मुखुनदन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। वहीं प्रभास के किरदार को लेकर खबर है कि वे फिल्म में कैमियो रोल निभाएंगे। प्रभास फिल्म में नंदी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि अक्षय कुमार फिल्म में भगवान शिव की भूमिका निभा रहे हैं और अफवाह है कि अनुष्का पार्वती की भूमिका निभाएंगी।

फिल्म की शूटिंग न्यूजीलैंड में हुई है। एवा एंटरटेनमेंट और 24 फ्रेम्स फैक्ट्री द्वारा निर्मित इस फिल्म का संगीत मणि शर्मा और स्टीफन देवासी द्वारा दिया जाएगा। कन्नप्पा की आधिकारिक रिलीज की तारीख आने वाले महीनों में घोषित की जाएगी।

भाई के लिए जंग लड़ती दिखी आलिया भट्ट

निर्देशक वासन बाला की नई क्राइम थ्रिलर जिगरा का टीजर जारी कर दिया गया है। इसमें एंग्री यंग वुमन बनी आलिया भट्ट नजर आ रही हैं। जिगरा का पहला टीजर रिलीज किया गया और इसने नेटिजन्स को खूब प्रभावित किया है। टीजर की शुरुआत एक भावुक सीन से होती है, जहां आलिया का बैकग्राउंड दिखाया जाता है कि किस तरह वो माता-पिता के बिना बड़ी हुईं। वो अपने संघर्षों के बारे में बताती हैं। आलिया यह जानकर टूट जाती है कि उसका एकमात्र परिवार, उसका भाई वेदांग रैना जेल में बंद है। जैसे-जैसे टीजर आगे बढ़ता है ये देखना को मिलता है कि आलिया उसे छुड़ाने के लिए क्या-क्या करती है।

टीजर में मशहूर गाना फूलों का तारों का भी इस्तेमाल किया गया है और इसमें आलिया को वेदांग रैना को छुड़ाने के लिए हरसंभव कोशिश करते हुए दिखाया गया है। टीजर में कई हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस और हाथापाई के दृश्य हैं, जिसमें आलिया काफी सॉलिड लग रही हैं। एक सीन में आलिया अमिताभ बच्चन का जिक्र करते हुए कहती हैं कि वह अगली एंग्री यंग वुमन हैं।

टीजर के सामने आते ही कई नेटिजन्स इसकी तारीफें करने लगे हैं। कुछ प्रशंसकों ने वसन बाला और आलिया भट्ट को एक किलर जोड़ी कहा है। एक प्रशंसक ने लिखा, आलिया भट्ट का क्या खतरनाक रूप है। दूसरे प्रशंसक ने लिखा, आलिया सिर्फ अभिनय नहीं कर रही हैं, वह बस उस किरदार में जी रही हैं। रोंगटे खड़े हो गए। नेटिज़न्स में से एक ने लिखा, इसमें कोई शक नहीं है कि आलिया एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं। वहीं कई फैंस ने अपना उत्साह जाहिर किया और कहा कि वो फिल्म रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। कई लोग ऐसे थे जिन्होंने ये भी कहा कि वो आलिया के फैन नहीं है लेकिन फिर भी उनकी धांसू एक्टिंग से प्रभावित हैं।

बता दें, जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आलिया भट्ट के साथ द आर्चीज फेम वेदांग रैना लीड रोल में हैं। भाई-बहन की इस कहानी को आलिया भट्ट करण जोहर के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। आलिया के प्रोडक्शन हाउस में बनी ये पहली फिल्म होने वाली हैं। इस फिल्म के रिलीज होने के साथ ही आलिया सफल एक्ट्रेस के साथ ही प्रोड्यूसर भी बन जाएंगी। आलिया के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभी अलिया के खाते में लव एंड वॉर है जिसमें वो विक्की कौशल और अपने पति रणबीर कपूर के साथ नजर आएंगी।

सिख युवक से मारपीट का आरोपी दरोगा लाइन हाजिर

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सिख युवक से मारपीट के आरोपी दारोगा को एसएसपी द्वारा लाइन हाजिर कर दिया गया है।

रूद्रपुर के दरोगा संदीप पिलख्वाल मामले में विधायक शिव अरोरा ने जनभावनाओं को देखते हुए एसएसपी से बात की गयी थी। विधायक शिव के अनुसार एसएसपी ने आरोपी दरोगा संदीप को लाइन हाजिर कर दिया है। यातायात चेकिंग के दौरान अमर्यादित व्यवहार करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंहनगर द्वारा उपनिरीक्षक संदीप पिलखवाल को लाइन हाजिर किया गया है। एसएसपी ऊधम सिंह नगर द्वारा सख्त चेतावनी दी गयी है कि अनुशासनहीनता व ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

छात्र संघ अध्यक्ष बैठे क्रमिक अनशन पर

संवाददाता

देहरादून। छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने क्रमिक अनशन शुरू किया।

आज डीएवी छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के साथ क्रमिक अनशन की शुरुआत हुई। पहले दिन छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल व मनजीत सजवान भूख हड़ताल पर बैठे। छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने बताया कि अगर चार दिन के क्रमिक अनशन के दौरान शासन-प्रशासन से कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिलेगा तो आगे हम लोग आमरण अनशन करने के लिए बाध्य होंगे।

21 से 27 तक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। चुक्खुवाला श्रीराम मंदिर में 21 सितम्बर से 27 सितम्बर तक श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जायेगा। आज यहां चुक्खुवाला स्थित राम मंदिर के प्रबंधक अरुण शाह ने जानकारी देतें हुए बताया की चुक्खुवाला के श्री राम मंदिर में 21सितम्बर से लेकर 27सितम्बर 24 तक मंदिर में लगातार श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तहत कथा वक्ता आचार्य नीरज फोंदनी के श्री मुख से भक्ति की रस धारा बहेगी। जिसमें पचांग पूजन प्रतिदिन सुबह दस बजे, और कथा समय तीन बजे से छह बजे तक रहेंगा जबकि 27 सितम्बर को कथा प्रवचन सुबह दस बजे आयोजित होंगी और पूर्णाहुति समय दिन के साढे बारह बजे व प्रसाद वितरण कार्यक्रम दिन में डेढ बजे पर होंगा। इस अवसर पर श्री राम मंदिर समिति के रवि शर्मा, ध्यानी, बलूनी उपस्थित थे।

श्री बालाजी ज्वैलर्स डकैती प्रकरण...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

में रुकने के लिए फर्जी आईडी का प्रयोग करने के साथ साथ फर्जी फोन नंबर दर्ज कराते थे व रैकी कर चिन्हित की गई शॉप में घुसकर दुकान कर्मचारियों का मोबाइल छीनकर, फायर करके एकदम दहशत फैलाकर हथियार के बल पर डरा धमकाकर लूट कर जाते समय मिर्च का स्प्रे मार देते थे। घटना में प्रयुक्त वाहनों को कुछ आगे ले जाकर नहर या झाड़ी या गुमनाम जगह में डाल कर भागने के लिए दूसरे वाहन (यहां पर कार) का प्रयोग करते थे।

घटना के बाद अपनी गाड़ियों एवं रास्तों की ट्रैकिंग की पहचान छुपाने के लिए रास्ते में पडने वाले अलग-अलग टोल के सीसीटीवी से बचकर फरार हो जाते थे। यह कभी भी मुख्य मार्ग का इस्तेमाल नहीं करते थे गांव देहात के पगडंडियों व कच्चे रास्तों का भी इस्तेमाल करते थे ताकि कैमरे की नजर में ना आ सकें और पुलिस इनको ट्रैक करके किसी भी फाइनल नतीजे पर ना पहुंच सके।

आरोपी पूर्व में उत्तराखंड व हिमांचल में लूट/डकैती की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं एवं इनका मुखिया सुभाष का 'कराटे गैंग' हरियाणा, दिल्ली सहित अन्य राज्यों में भी कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है। कई राज्यों की पुलिस द्वारा सुभाष की तलाश जारी है। अमन कांबोज, लक्की व सुभाष ने कुछ समय पूर्व ऊना हिमाचल प्रदेश में मुथुट गोल्ड फाइनेंस में भी लूट का प्रयास किया था जहां ये सायरन बजने की वजह से पूर्ण रूप से सफल नहीं हो पाए लेकिन कर्मचारियों का मोबाइल छीनकर और फायर करके मौके से भाग गए थे।

सफाई शुल्क के विरोध में व्यापार मण्डल का नगर निगम में प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। सफाई शुल्क के विरोध में दून वैली महानगर उद्योग व्यापार मण्डल ने नगर निगम में प्रदर्शन कर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां दून वैली महानगर उद्योग व्यापार मण्डल के सदस्यों ने अध्यक्ष पंकज मैसोन के नेतृत्व में नगर निगम में प्रदर्शन कर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि विगत कुछ दिनों से बाजार में नगर निगम से स्वंय सहायता समूह की एक टीम भेजी जा रही है और साथ ही बाजारों एवं घरों की सफाई का शुल्क नगर निगम द्वारा तय किया गया है।

उन्होंने कहा कि सभी दुकानदार अपना कूडा नगर निगम की गाडी में डालें और जो भी शुल्क नगर निगम तय करेगा वह दुकानदारों से लिया जाएगा। जो शुल्क निगम द्वारा तय किया गया ह वह 200 से लेकर ढाई हजार तक है जोकि बहुत ज्यादा है और यह शुल्क कम से कम होना चाहिए ताकि दुकान स्वामी उसे आराम से दे सके। अगर शुल्क ज्यादा होगा तो उसे देने में दुकान स्वामी असमर्थ रहेगा इसलिए शुल्क को 50 रूपये से 100 रूपये प्रतिमाह किया जाना ही जनहित में उचित रहेगा।

गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रही एक महिला सहित तीन बदमाश गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रही एक महिला सहित तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी गैंग बनाकर नशे के कारोबार को अंजाम दिया करते थे।

जानकारी के अनुसार कोतवाली ज्वालापुर पर दर्ज मुकदमें में लगातार फरार चल रहे आरोपी जो गिरोह बनाकर स्मैक/चरस के अपराधों में लिप्त होकर भौतिक व आर्थिक लाभ प्राप्त करते हैं, जिनके नाम अभिषेक पुत्र राजवीर निवासी ग्राम चांदपुर स्याहू थाना चांदपुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल निवासी सुभाष नगर कोतवाली ज्वालापुर हरिद्वार, महिला आरोपी निवासी उपरोक्त और रईस पुत्र सईद निवासी लादपुर थाना लक्सर हरिद्वार को बीती शाम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

तीन शातिर चोर गिरफ्तार, माल बरामद

हमारे संवाददाता

चम्पावत। घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले तीन शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुराया गया माल भी बरामद हुआ है। आरोपियों द्वारा नशा पूर्ति के लिए उक्त चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। जानकारी के अनुसार बीती 12 अगस्त को विवेक भट्ट पुत्र डूंगरदेव भट्ट, निवासी नवयोग केन्द्र के पास जाट फार्म मनिहारगोठ टनकपुर ने थाना टनकपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद घटना को अंजाम देने वाले 3 शातिरों को बीती शाम सालवनी जंगल बारूदकोठी के पास मनिहारगोठ से चोरी के सामान सहित गिरफ्तार किया गया है। जिन्होने पूछताछ में अपना नाम आसिफ पुत्र आबिद हुसैन निवासी मनिहारगोठ थाना टनकपुर जनपद चम्पावत, पंकज पुत्र गोविन्दराम निवासी मनिहारगोठ थाना टनकपुर जनपद चम्पावत व फैजल अली पुत्र फरियाद अली निवासी मनिहारगोठ थाना टनकपुर जनपद चम्पावत बताया। बताया कि नशापूर्ती के लिए रुपयों की आवश्यता होने के कारण उन्होने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

शिक्षकों व पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता करने वाला वार्ड बॉय गिरफ्तार

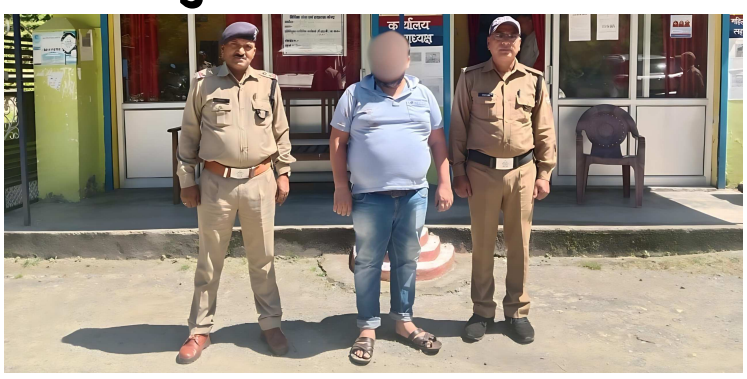

हमारे संवाददाता

चमोली। स्वास्थ्य केन्द्र में शिक्षकों व पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता करने वाले वार्ड बाय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना नंदानगर घाट क्षेत्र में स्थित कस्तूरबा गाँधी आवसीय विद्यालय की छात्रा कु. वन्दना पुत्री भगत सिंह निवासी ग्राम पगना के स्वास्थ्य खराब होने के कारण विद्यालय की शिक्षिकाएं अन्य कुछ छात्राओं के साथ अस्वस्थ छात्रा को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नंदानगर घाट में उपचार हेतु लेकर आये तो अस्पताल में कार्यरत संविदा कर्मी/वार्ड बॉय गणेश पुत्र स्व. नारायण सिंह रावत निवासी अपर बाजार नंदप्रयाग चमोली के द्वारा इनके साथ अभद्रता की गयी एवं मारपीट की कोशिश की गयी। जिस पर इनके द्वारा थाना नंदानगर पर सूचना दी गयी, इस सूचना पर थाना नन्दानगर से पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे एवं उक्त वार्ड बॉय गणेश को समझाने का प्रयास किया तो वार्ड बॉय गणेश के द्वारा पुलिस कर्मी सत्यपाल राणा पर एकदम हमला कर मारपीट की गयी एवं सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की गयी। इस घटना का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक चमोली, सर्वेश पंवार के निर्देशन में तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी गणेश को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर न्यायायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

बुर्के वाली महिला ने सलीम खान को दी धमकी, 'लॉरेंस बिश्नोई को भेजूं क्या'?

मुंबई। अभिनेता सलमान खान के पिता सलीम खान को धमकी देने के आरोप में मुंबई पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि अज्ञात बुर्काधारी महिला ने सलीम खान को धमकी दी। इस मामले में बांद्रा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। सलीम खान, जब कल सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए बैंडस्टैंड क्षेत्र में गए थे, तब स्कूटी सवार व्यक्ति और बुर्काधारी महिला ने उन्हें धमकी दी थी। बताया जा रहा है कि इन दोनों ने उनसे यह कहा, लॉरेंस बिश्नोई को भेजूं क्या? इससे पहले भी सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई से धमकी मिली थी। सलमान खान के बांद्रा वेस्ट के गैलेक्सी अपार्टमेंट में गोलीबारी भी हुई थी। बांद्रा पुलिस ने मामला दर्ज करके स्कूटी चला रहे शख्स को गिरफ्तार किया और फरार महिला को गिरफ्तार करने के लिए बांद्रा पुलिस ने दो टीमें गठित कीं। उसे भी गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि जब सलीम खान को धमकी मिली उस वक्त वह बैंडस्टैंड में बेंच पर बैठे हुए थे। पुलिस को इसकी शिकायत की गई जिसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की जिसमें उन्हें स्कूटी पर सवार दो लोग नजर आए। वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस विभिन्न एंगल से मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 353(2) और 292 के तहत केस दर्ज कर लिया है।

आतिशी 21 सितंबर को लेंगी दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) नेता आतिशी शनिवार (21 सितंबर 2024) को कैबिनेट मंत्रियों के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी। सत्तारूढ़ दल ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, मुकेश अहलावत और इमरान हुसैन कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेंगे। आतिशी ने अरविंद केजरीवाल के मंत्रालय में वित्त, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा, बिजली, महिला और बाल विकास आदि को संभाला था। केजरीवाल के पास कोई विभाग नहीं था। नए मंत्रिमंडल में ज्यादा फेरबदल की संभावना नहीं है। मई में राज कुमार आनंद के इस्तीफे के बाद पिछली कैबिनेट में एक पद खाली था। दिल्ली विधानसभा में 70 सदस्य हैं और मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम सात मंत्री हो सकते हैं। नए मंत्रिमंडल में दो नए सदस्यों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें से एक दलित समुदाय से होगा। सत्तारूढ़ पार्टी ने शुरू में फैसला किया था कि सिर्फ आतिशी शपथ लेंगी। लेकिन बाद में यह निर्णय लिया गया कि उनकी सरकार के मंत्री भी शपथ लेंगे। अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद आतिशी ने राष्ट्रीय राजधानी में नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया। करोल बाग के विधायक विशेष रवि या कोंडली विधायक कुलदीप कुमार को शामिल किया जा सकता है।

बिहार में पूर्व एमएलसी के घर मिला 1 करोड़ से ज्यादा कैश

गया । बिहार के गया में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के साथ कथित संबंधों की जांच के तहत विधान परिषद के पूर्व सदस्य सहित दो व्यक्तियों के ठिकानों की तलाशी ली। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए के अधिकारियों ने रामपुर इलाके में पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी और गोइंथा गांव में व्यवसायी द्वारिका यादव से जुड़े स्थानों पर छापेमारी की। सूत्रों ने बताया कि यह छापेमारी राज्य के मगध इलाके में माओवादियों द्वारा संगठन को फिर से शुरू करने और मजबूत करने की कथित साजिश के खिलाफ एनआईए की जांच का हिस्सा है। 2023 में रोहित राय और प्रमोद यादव नाम के दो व्यक्तियों के कब्जे से हथियार और गोला-बारूद के साथ-साथ सीपीआई (माओवादी) मगध जोनल सांगठनिक कमेटी से संबंधित दो बुकलेट्स बरामद की गई थीं। इसी घटना से यह पूरा मामला जुड़ा हुआ है। आरोप है कि मनोरमा देवी और द्वारिका यादव, अपने साथियों के साथ मिलकर माओवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए ठेकेदारों और ईंट भट्टा मालिकों से जबरन वसूली कर रहे थे। अधिकारी एनआईए ऑपरेशन की बारीकियों के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। मनोरमा देवी के परिवार के सदस्यों को पहले भी सीपीआई (माओवादी) कैडरों से कथित संबंधों के लिए गिरफ्तार किया जा चुका है।

एक साथ चुनाव, भाजपा का राजनीतिक स्टंटः हरीश

कांग्रेस का काम, सरकार के हर फैसले का विरोध करनाः त्रिवेंद्र

विशेष संवाददाता

देहरादून। एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस नेताओं के बीच एक बार फिर वाक युद्ध छिड़ गया है। भाजपा के नेताओं द्वारा जहां एक देश एक चुनाव के केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के फैसले के समर्थन में कई तर्क दिए जा रहे हैं वहीं विपक्ष कांग्रेस के नेताओं द्वारा इसे एक राजनीतिक स्टंट बता कर यह कहा जा रहा है कि सरकार द्वारा देश की समस्याओं से जनता का ध्यान हटाने के लिए एक देश एक चुनाव का मुद्दा लाया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कहना है कि यह फैसला सिर्फ एक राजनीतिक स्टंट है। केंद्र सरकार जिससे अब जनता का विश्वास उठ चुका है आगामी चुनावों में हर जगह उसे अपनी हार होती दिख रही है। चाहे वह हरियाणा और जम्मू कश्मीर के चुनाव हो या फिर यूपी व

उत्तराखंड के उप चुनाव या निकाय चुनाव हो जनता में भाजपा के खिलाफ भारी गुस्सा है और वह लोगों का ध्यान भटकाने के लिए नित नए-नए हथकंडे अपना रहे है। उनका कहना है कि भारत जैसे बहुसंस्कृतियों वाले तथा भौगोलिक विषम परिस्थितियों वाले देश में एक साथ सभी चुनाव संपन्न कराया जाना व्यावहारिक नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के इस बयान पर आज पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहां है कि कांग्रेस के पास चाहे किसी भी मुद्दे पर विरोध करने का कोई ठोस आधार हो या न हो उसके नेताओं का काम सिर्फ भाजपा सरकार के हर फैसले का विरोध करना है। उन्होंने कहा है कि इस देश की जनता जानती है और मानती भी है कि अगर एक साथ चुनाव होंगे तो उसके तमाम फायदे होंगे समय और चुनावी खर्च में कमी आएगी तथा इससे विकास के काम भी बाधित नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का फैसला उचित तथा सराहनीय है। लेकिन कांग्रेस को अगर इसमें भी बुराई नजर आ रही है तो वह क्या कर सकते हैं?

उल्लेखनीय है कि सूबे के मुख्यमंत्री पहले ही केंद्र सरकार द्वारा एक देश एक चुनाव के फैसले के लिए केंद्र सरकार को बधाई दे चुके हैं। केंद्र सरकार द्वारा कल कैबिनेट की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है जिसमें पूरे देश में लोकसभा व सभी राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव एक साथ तथा निकाय और पंचायतों के चुनाव एक साथ कराने की बात कही गई है।

जानलेवा हमले के आरोपी को पंजाब से किया गिरफ्तार

देहरादून (सं)। जानलेवा हमले के आरोपी को पुलिस ने पंजाब से गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन मल्ल निवासी चिड़ोवाली देहरादून द्वारा थाना राजपुर पर लिखित तहरीर दी गई कि 21 अगस्त की सांय उनके जीजा अनिल सिंह व भाई सरेन्द्र मल्ल पर 10-15 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा डण्डे व सरियो से कालागांव व किरसाली चौक में हमला किया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की संवेदनशीलता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा घटना में संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित कर आवश्यक निर्देश दिये गये। गठित टीम द्वारा घटना स्थल के आस-पास लगे लगभग 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों को गहनता से चैक करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लगभग 800 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई, साथ ही मोबाइल सर्विलांस से जांच की गयी। सीसीटीवी फुटेज, पूछताछ तथा मोबाइल सर्विलांस की सहायता से पुलिस द्वारा घटना में संलिप्त 03 आरोपी सुनील कुमार, नमन सिंह व शिशिर अधिकारी को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। घटना में एक अन्य विक्की की संलिप्तता प्रकाश में आई जो घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार उसके सम्भावित स्थानों पर दबिश दी जा रही थी, आज पुलिस टीम द्वारा मिली सूचना पर घटना में वांछित चल रहे विक्की पुत्र हरदीप को पंजाब से गिरफ्तार किया गया।

नवोदय विद्यालय में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचे बच्चे

हमारे संवाददाता

चमोली। नवोदय विद्यालय गैरसैंण में बड़ा हादसा होने से टल गया। शॉर्ट सर्किट से यहां भीषण आग लग गई और इस दौरान बच्चे सोए थे। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर सर्विस ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार बीती रात नवोदय विद्यालय गैरसैंण में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस दौरान यहां बच्चे सोए थे, लेकिन गनीमत रही कि आग बच्चों के कमरे तक नहीं पहुंची, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि विद्यालय की एक बिल्डिंग के हॉल में जो की टीन और फाइबर का बना हुआ है, इसमें चार पार्ट हैं। तीन पार्ट में बच्चे रात में सोए थे और चौथे भाग में बच्चों के रजाई, गद्दे, बिस्तर, समान और खेल का सामान रखा हुआ था। आग लगना शुरू हुई और पूरे फैब्रिकेटेड हॉल में लग गई। सारे बच्चे सुरक्षित हैं। किसी भी बच्चे को या स्टाफ कर्मचारी टीचर को हानि नहीं हुई। फायर ब्रिगेड व स्थानीय पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचे। स्टोर में रखे बच्चों के रजाई, गद्दा सामान बैग्स तथा खेल सामग्री जल गई है। लेकिन आग पर काबू पा लिया गया है।

स्कूटी सवारों ने लूटी महिला की चेन

संवाददाता

देहरादून। पैदल जा रही महिला की स्कूटी सवार युवकों ने चेन लूट ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शक्ति कालोनी स्थित नगर निवासी महेश्वरी देवी ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार से सब्जी खरीदकर घर की तरफ जा रही थी तभी पीछे से स्कूटी सवार युवकों ने आकर उसके गले पर झपटा मारकर उसकी चेन लूटकर भाग गया। उसने शोर भी मचाया लेकिन तब तक युवक वहां से फरार हो गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।